एम.ए. भाग-2

प्रश्नपत्र-5 (आधुनिक कविता)

1. कामायनी - प्रसाद (संदर्भ लज्जा सर्ग तक)
2. राग विराग सं. (निराला) सं. रामविलास शर्मा
3. आज के लोकप्रिय कवि - अज्ञेय - सं. विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
4. साये में धूप - दुष्यन्त कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

संदर्भ पुस्तकें :

1. निराला की साहित्य साधना - डॉ. रामविलास शर्मा, राजकमल प्रका. दिल्ली
2. निराला आत्महन्ता आस्था - दूधनाथसिंह - लोकभारती प्रका. इलाहाबाद
3. अज्ञेय : एक अध्ययन - डॉ. भोलाभाई पटेल, युनिवर्सिटी प्रका.
4. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या - रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. अज्ञेय - सं. - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
6. प्रसाद का काव्य - डॉ. प्रेमशंकर

प्रश्नपत्र-6 भाषा विज्ञान

भाग §अ§ सैद्धान्तिक भाषा विज्ञान 60 अंक

§1§ भाषा की परिभाषा तथा स्वरूप

भाषा का व्यापक तथा संकुचित अर्थ, भाषा के लक्षण, भाषा का संरचनात्मक रूप, भाषा विज्ञान की परिभाषा तथा उसका क्षेत्र, भाषा विज्ञान का अन्य विज्ञानों से सम्बन्ध - इतिहास, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, व्याकरण ।

§2§ भाषा के अध्ययन की पद्धतियाँ -

वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक

§3§ बोली विज्ञान -

भाषा की प्रादेशिक विविधता, सांस्कृतिक - सामाजिक वैविध्य, बोली भेद की रेखाएँ, स्त्री अपभाषा, मान्य भाषा और बोली का सम्बन्ध

§4§ वर्णनात्मक भाषा विज्ञान

§क§ ध्वनि विज्ञान

उच्चारण क्रिया और उच्चारण अवयव, ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनिग्राम, स्लोकॉन, बलाघात, सुरलहर, आरोह-अवरोह ।

ध्वनि नियम §ग्रिम ग्रासमन, वैनर§

§ख§ रूप - विज्ञान

रूपिम, रूपिम के प्रकार, धातु और प्रत्यय, सम्बन्ध तत्व, सम्बन्ध तत्व

(ग) वाक्य विज्ञान - वाक्य की [illegible], वाक्य की आवश्यकताएँ - आकांक्षा, सन्निधि, उद्देश्य और विधेय, [illegible] उपवाक्य पदबंध तथा पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य रूपांतर

§घ§ अर्थ-विज्ञान

शब्द और अर्थ, एकार्थता, अनेकार्थता, अर्थबोध के साधन

§5§ ऐतिहासिक और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

§क§ भाषा-परिवर्तन : स्वरूप और कारण बाह्य आंतरिक तथा सादृश्य ।

§ख§ परिवर्तन के प्रकार : ध्वनि परिवर्तन, रूप परिवर्तन, वाक्य परिवर्तन और अर्थ परिवर्तन

§6§ भारत में भाषा विज्ञान के अध्ययन की परंपरा

§निम्नलिखित विद्वानों के योगदान के विशेष अध्ययन के साथ पाणिनी, हेमचन्द्र ग्रियर्सन, टर्नर, सुनीति कुमार चटर्जी, बाबूराम सक्सेना, धीरेन्द्र वर्मा, हरिवल्लभ भायाणी§

भाग- §आ§ हिन्दी भाषा का इतिहास तथा हिन्दी का वर्णनात्मक अध्ययन ... 40 अंक

§1§ संसार की भाषाओं का वर्गीकरण, पारिवारिक एवं आकृतिमूलक, भारतीय

§2§ उद्भव तथा स्वरूप, हिन्दी के उद्भव के साथ अपभ्रंश का सम्बन्ध, हिन्दी का विकास, पुरानी हिन्दी

§3§ आधुनिक आर्यभाषाओं का वर्गीकरण – ग्रियर्सन तथा चटर्जी के अनुसार अन्य आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के साथ हिन्दी का सम्बन्ध, हिन्दी की उप भाषाएँ तथा बोलियाँ

§4§ वर्तमान हिन्दी का स्वरूप-रचना, हिन्दी, उर्दू, हिन्दुस्तानी, दक्खिनी ।

§5§ हिन्दी ध्वनि-स्वरूप, हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण

§6§ हिन्दी शब्द समूह, हिन्दी रूप-रचना तथा संधि के नियम ।

§7§ हिन्दी वाक्य रचना, पदक्रम, वाक्य रूपान्तर ।

संदर्भ पुस्तकें –

§1§ भाषा – विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

§2§ सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहि. सं., प्रयाग

§3§ भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्रनाथ शर्मा – राधाकृष्ण प्रका., दिल्ली

§4§ हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – उदयनारायण तिवारी

§5§ हिन्दी भाषा का इतिहास – धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद

§6§ हिन्दी भाषा – भोलानाथ तिवारी

प्रश्नपत्र – 7

§अनुवाद और अनूदित साहित्य – लघु शोध प्रबंध – तुलनात्मक साहित्य§

§1§ अनुवाद और अनूदित साहित्य

अनुवाद और अनूदित साहित्य, अनूदित साहित्य में पाठ्य पुस्तक आधारित प्रश्न पूछे जाएँगे ।

§क§	अनुवाद कला	20 अंक
§ख§	गुजराती अथवा अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद	20 अंक
§ग§	अनूदित साहित्य : कृति	20 अंक

1. सुकरात मनुभाई पंचोली "दर्शक"

अनुवाद – सुशीला जोशी

गुजराती साहित्य अकादमी, गांधीनगर

§एक अनूदित साहित्यिक कृति के रूप में हिन्दी में अभिव्यक्ति, तथ्य एवं संरचनागत सौष्ठव की दृष्टि से मूल्यांकन§

§घ§ गुजराती उपन्यास "सोक्रेटीस" §दर्शक§ के अंशों का हिन्दी में अनुवाद 20 अंक

अथवा

समसामयिक साहित्यिक गतिविधियों के विषय में निबंध

§च§ पारिभाषिक शब्दावली एवं विशिष्ट शब्द प्रयोग – §अंग्रेजी से हिन्दी में शब्दावली गत वर्ष के अनुसार है§ 20 अंक

अथवा

2. लघु शोध – प्रबन्ध

एम.ए. भाग-1 में 55% अथवा बी.ए. हिन्दी मुख्य विषय में 60 प्रतिशत अर्थात् आंतरिक एवं बाह्य परीक्षाओं के अंक मिलाकर कम से कम 360 अंक हो तथा एम.ए. भाग-1 में 50% या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र को ही प्रश्नपत्र-7 में अनुवाद के विकल्प में लघु शोध-प्रबन्ध के विकल्प को पसंद करने का पात्र माना जाएगा

§गुजरात युनिवर्सिटी के दिनांक 27-8-1990 के परिपत्र-9 के अनुसार§

अथवा

3. तुलनात्मक साहित्य :

§1§ सैद्धान्तिक भूमिकाएँ

§अ§ तुलनात्मक साहित्य की परिभाषा, आवश्यकता उपयोगिता

§आ§ तुलनात्मक साहित्य : अध्ययन के क्षेत्र

§2§ किसी एक साहित्यिक स्वरूप का नमूने की कृति के साथ तुलनात्मक अध्ययन की व्याकरणिक कोटियाँ, काल, वचन, लिंग, पुरूष, प्रयोग, शब्द के प्रकार 60 अंक

§ग§ वाक्य-विज्ञान

वाक्य की इकाइयाँ, वाक्य की आवश्यकताएँ, आकांक्षा, सन्निधि आदि उद्देश्य और विधेय, कर्ता, कर्म आदि उपवाक्य, पदबंध तथा पदक्रम, वाक्यों के प्रकार, वाक्य रूपांतर

नाटक :
====

(क) मृच्छकटिक (संस्कृत नाटक) शुद्रक, अनु. मोहन राकेश

(ख) औथोली (अंग्रेजी नाटक) - शेक्सपियर, अनु. बच्चन

(ग) भस्मासुर (गुजराती) - चीनू मोदी, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद

(घ) स्कन्ध गुप्त (हिन्दी नाटक) जयशंकर प्रसाद

<u>सूचना</u> : प्रश्न तुलनात्मक अध्ययन की दृष्टि से पूछे जाएँगे ।

<u>संदर्भ पुस्तकें</u> -

1. Comparative Literature - Ed - Prof - Nagendra.

2. Comparative Literature & Literary theory
Ulrish Weisstein

3. Comparative Literature Metter & Method
A Owen Aldridge, Urbana

4. Comparative Literature : Method & Perspective
Ed - Newtonp.
Stalkneet Horst Frewl

<u>प्रश्नपत्र - 8</u> - <u>विशेष साहित्यकार - सूरदास</u>

1. सूरसागर सार - सं. धीरेन्द्र वर्मा

<u>संदर्भ पुस्तकें</u> :

1. महाकवि सूरदास - नन्द दुलारे वाजपेयी

2. सूरदास : संपादक : हरवंशलाल शर्मा

3. सूर साहित्य - हजारीप्रसाद द्विवेदी